ताजिकिस्तान के विदेश मंत्री ने लोकसभा अध्यक्ष से भेंट की

***

लोकसभा अध्यक्ष ने भारत और ताजिकिस्तान के बीच बेहतर संसदीय सहयोग पर जोर दिया

***

नई दिल्ली, 18 दिसंबर, 2021: ताजिकिस्तान के विदेश मंत्री, श्री सिरोदजिद्दीन मुहरिद्दीन ने आज संसद भवन में लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान, दोनों नेताओं ने भारत और ताजीकिस्तान के साझा सभ्यतागत और सांस्कृतिक संबंधों को याद करते हुए वर्तमान में आपसी संबंधों को सदृढ़ करने पर बल दिया।

श्री बिरला ने आशा व्यक्त की कि इस श्री सिरोदजिद्दीन मुहरिद्दीन की यात्रा से दोनों देशों के बीच संबंध मजबूत होंगे। यह विचार व्यक्त करते हुए कि भारत दुनिया में लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है, श्री बिरला ने पारस्परिक यात्राओं, संवादों और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करके भारत और ताजिकिस्तान के बीच संसदीय सहयोग बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इससे ने केवल द्विपक्षीय संबंध मजबूत होंगे अपितु लोकतंत्र को भी शक्ति मिलेगी।

भारत की संसद में सांसदों के क्षमता निर्माण संबंधी उपायों के बारे में बोलते हुए, श्री बिरला ने कहा कि लोकसभा में प्राइड के रूप में एक मजबूत प्रशिक्षण तंत्र है। उन्होंने ताजिक विदेश मंत्री को अपने सांसदों और अधिकारियों को क्षमता निर्माण के लिए भारत भेजने का सुझाव दिया। कोविड काल के दौरान दोनों देशों के बीच आपसी सहयोग का उल्लेख करते हुए श्री बिरला ने कहा कि दोनों देश इस महामारी से सफलतापूर्वक लड़ चुके हैं और अब पूर्ण रिकवरी की राह पर हैं।

ताजिकिस्तान में पढ़ रहे भारतीय छात्रों का जिक्र करते हुए, श्री बिरला ने कहा कि भारत के कई छात्र चिकित्सा शिक्षा के लिए ताजिकिस्तान में हैं। उन्होंने ताजिक विदेश मंत्री से यह सुनिश्चित करने की अपील की कि भारतीय छात्रों को सर्वोत्तम संभव चिकित्सा शिक्षा और व्यावहारिक प्रशिक्षण मिले ताकि वे भारत लौटकर राष्ट्र निर्माण और मानवीय कार्यों में सार्थक योगदान दे सकें।

भारत और ताजिकिस्तान में पर्यटन की अपार संभावनाओं का जिक्र करते हुए श्री बिरला ने सुझाव दिया कि दोनों देशों को कोविड के बाद के दौर में पर्यटन को बढ़ावा देना चाहिए। उन्होंने दोहराया कि भारत सस्ती कीमत पर गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा उपचार उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध हैऔर ताजिक लोग इन चिकित्सा और पर्यटन सुविधाओं का भरपूर लाभ उठा सकते हैं।

श्री बिरला ने कहा कि ताजिक लोगों में भारतीय भाषाएं और योग सीखने की उत्सुकता है। उन्होंने भारतीय भाषाओं और योग में शिक्षा प्रदान करने के लिए ताजिकिस्तान में विश्वविद्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों में केंद्र स्थापित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

श्री सिरोजिद्दीन मुहरिद्दीन ने श्री बिरला को धन्यवाद दिया और आशा व्यक्त की कि दोनों देश और संसद सहयोग के लिए संस्थागत ढांचे को मजबूत करने की दिशा में काम करेंगे।